केन्द्रीय विद्यालय एन.डी.ए, पुणे

अर्धवार्षिक परीक्षा (2018-19)

कक्षा- अष्टम्   विषय - संस्कृत   पूर्णाङ्का: - 80

समय- सार्धहोराद्वयम्

छात्रस्य नाम ----------------------   कक्षानुभाग: -------------------- अनुक्रमांक: ---

निर्देशा:- 1- प्रश्नपत्रे चत्वार: खण्डा: सन्ति ।

खण्ड क- अपठित अवबोधनम् - 1   0 अङ्का:

खण्ड- ख- रचनात्मक कार्यम् -   15 अङ्का:

खण्ड- ग- अनुप्रयुक्तव्याकरणम्-   25 अङ्का:

खण्ड- घ - पठित अवबोधनम् -   30 अङ्का:

2- सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या: ।

3- प्रश्नानाम् उत्तराणि खण्डानुसारम् क्रमेणैव लेखनीयानि ।

4- प्रश्नसंख्या अवश्यम् लेखनीया ।

5- उत्तराणि सस्कृतेन एव लेखनीयानि ।

खण्ड- क [अपठित- अवबोधनम्]

प्रश्न न०-1- अनुच्छेदम् पठित्वा प्रश्नान् उत्तरत-

सर्वेभ्य: जलम् ददामि अहम् अत: जना: माम् मेघम्, जलद: , वारिद:, पयोद: इति नामभि: जानन्ति। सागर; मम जन्मस्थानम्, गमनम् मम गृहम् , धरा मम गन्तव्यम् अस्ति। विद्युतम् माम् प्रकाशयति, पवन: स्वाङ्केलालयति। बाला: माम् दृष्ट्वा हृष्यन्ति, जना: प्रसीदन्ति, कृषका: मोदन्ते मयूरा: च नृत्यन्ति। तापेन व्याकुलधराया: पिपासा मया एव शाम्यते। अहम् एव सर्वप्राणिनाम् जीवनम् अस्मि।

1- अ) एकपदेन उत्तरत- [4]

क- उपरिलिखिते अनुच्छेदे क: वक्ता ? --

ख- क: मेघम् लालयति ? --

ग- मेघ: कुत्र गन्तुम् वाञ्छति ? --

घ- मेघस्य जन्मस्थानम् किम् अस्ति ? --

ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत- [2x2=4]

क- मेघम् दृष्ट्वा के प्रसन्ना: भवन्ति ?

ख- मेघ: कस्या: पिपासां शाम्यते ? --

स- भाषिककार्यम् - [2]

1- ‘ नृत्यन्ति ’ इति पदे क: लकार: ? --

2- अनुच्छेदात् अव्यय पदम् चित्वा लिखत-   --

खण्ड- ख- [रचनात्मक कार्यम्]

प्रश्न न०-2- चित्रम् दृष्ट्वा मञ्जूषात: पदानि चित्वा च पञ्च वाक्यानि रचयत-[5]

[भ्रमन्ति , पुष्पाणि , शुद्धम् , वृक्षा: , अर्पयति }

1- अस्मिन् चित्रे ---------------------------------- विकसन्ति ।

2- उद्याने जना: -------------------------------- ।

3- उपवनस्य वतावरणम् -------------------------------- भवति ।

4- अस्मिन् चित्रे अनेके ------------------------------ सन्ति ।

5- अस्मिन् चित्रे एका बालिका महिलां पुष्पाणि ----------------------------------।

प्रश्न न०-3- अधोलिखितानि पदानि प्रयुज्य वाक्यनि रचयत - [5]

यथा- परित: = ग्रामम् <u>परित</u>: वृक्षा: सन्ति ।

क- गुलिका: = ---।

ख- कुठारिका --।

ग- क्षिप्रम् ---।

घ- यत्न: --।

ड.- लोके --।

प्रश्न न०-4- मञ्जूषात: पदानि चित्वा कथां पूरयत- [1/2x10=5]

[दृष्ट्वा , स्वकीयै: , कृतवान् , कर्तनम् , वृद्ध: , साट्टहासम् , तर्हि , क्षुद्र: , मोचयितुम् , अकस्मात्]

एकस्मिन् वने एक: --------------------- व्याघ्र: आसीत्। स: एकदा व्याधेन विस्तारिते जाले वद्ध: अभवत्। स: बहुप्रयासम्------------------------ किन्तु जालात् मुक्त: नाभवत्। ---------------------- तत्र एक: मूषक; समागच्छत्। बद्धं व्याघ्रम् ------------------------ स: तम् अवदत्-अहो! भवान् जाले वद्ध:। अहम् त्वाम् -----------------

इच्छामि। तच्छ्रुत्वा व्याघ्र: ------------------------------ अवदत्-अरे! त्वम् ----------------- जीव: मम सहाय्यं करिष्यसि।

यदि त्वम् माम् मोचयिष्यसि ------------------ अहम् त्वाम् न हनिष्यामि। मूषक: -------------------- लघुदन्तै: तज्जालम् --------------------- कृत्वा तम् व्याघ्रं बहि: कृतवान् ।

खण्ड- ग- [अनुप्रयुक्त व्याकरणम्]

प्रश्न न॰-5- कोष्ठकात् रिक्तस्थानानि पूरयत- [4]

क- तस्य + अस्ति = ------------------------------------- [तस्यास्ति / तस्यस्ति]

ख- करोति + इति = ------------------------------------ [करोतीति / करोतति]

ग- सु + उक्ति: = ---------------------------------- [सूक्ति: / सक्ति:]

घ- ------------------------------+ आदीनाम् = मृगादीनाम् [मृगा: / मृग]

प्रश्न न॰-6- उदाहरणानुसारं अव्ययपदानि चिनुत- [4]

यथा- अधुना क: समय: । अधुना

क- सहसा विदधीत् न क्रियाम् । -----------------------------------

ख- राधा अपि पठति । -----------------------------------

ग- त्वम् कदा पठसि । -----------------------------------

घ- विद्यां विना जीवनम् वृथा भवति। -----------------------------------

प्रश्न न॰-7- उदाहरणनुसारेण धातु: प्रत्ययं च लिखत- [1/2x4=2]

	पदानि	धातु:		प्रत्यय:
यथा-	गत्वा =	गम्	+	क्त्वा
	कृत्वा =	कृ	+	------------------------
	पठित्वा=	---------	+	क्त्वा
यथा-	पातुम्=	पा	+	तुमुन्
	खादितुम्=	---------	+	तुमुन्
	गन्तुम् =	गम्	+	-----------------------

प्रश्न न॰-8- तद्भवपदानाम् कृते संस्कृतपदानि लिखत- [4]

यथा-	किसान	-	कृषक:
	कबूतर	-	--------------------------------
	तिनका	-	--------------------------------
	मोर	-	--------------------------------
	लोभी	-	-------------------------------

प्रश्न न०-9- मञ्जूषात: अव्ययपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत- [4]

[सदा , बहि: , तदा , विना]

क- यदा दशवादनम् भवति ---------------------- छात्रा: विद्यालयं गच्छन्ति ।

ख- सूर्य: पूर्वदिशायाम् -------------------------- उदेति ।

ग- विद्याम् ----------------------------- जीवनम् वृथा ।

घ- शृगाल: गुहाया: --------------------------- आसीत् ।

प्रश्न न०-10- रिक्तस्थानानि पूरयत- [1/2x4=2]

विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	माता	मातारौ	---------------------
द्वितीया	मातरम्	----------------	मातृ:
तृतीया	मात्रा	मातृभ्याम्	-----------------
चतुर्थी	मात्रे	-------------------	मातृभ्य:

प्रश्न न०-11- विशेषणै: सह विशेष्याणि योजयत - [5]

विशेषण-पदानि	विशेष्य-पदानि	विशेषण-पदानि	विशेष्य-पदानि
कियत्	कूप:	----------------------------------	
गभीर:	वसनम्	---------------- -------------------	
स्थूल:	नूपुरवान्	---------------- -------------------	
आर्द्रम्	कालम्	---------------- -------------------	
इमान्	विडाल:	---------------- -------------------	

खण्ड-घ- [पठित अवबोधनम्]

प्रश्न न०-12- अनुच्छेदम् पठित्वा प्रश्नान उत्तरत-

एतस्मिन् अन्तरे गुहाया: स्वामी दधिपुच्छ: नाम शृगाल: समागच्छत् । स च यावत् पश्यति तावत् सिंहपदपद्धति: गुहायाम् प्रविष्टा दृश्यते , न च बहिरागता । शृगाल: अचिन्तयत्- "अहो! विनष्टोऽस्मि । नूनम् अस्मिन् बिले सिंह: अस्ति इति तर्कयामि। तत् किम् करवाणि?" एवम् विचिन्त्य दूरस्थ: रवम् कर्तुम् आरब्ध:।

1- अ) एकपदेन उत्तरत- [2]

क- गुहाया: स्वामी क: आसीत् ? ---।

ख- शृगाल: दूरस्थ: किम् कर्तुम् आरब्ध: ? --------------------------------।

ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - [2]

क- शृगाल: किम् अचिन्तयत् ?

---।

स) ‘ पश्यति ’पदे क: लकार:? - [1]

प्रश्न न०-13- श्लोकांशान् यथायोग्यम् योजयत- [1/2x4=2]

(क)	(ख)
i- सुस्वादुतोया: प्रभवन्ति नद्य:	i- सर्वम् तद् रोचते कुलम् ।
ii- तृणम् न खादन्नपि जीवमान:	ii- पिशुनस्य मैत्री ।
iii- स्त्रियाम् रोचमानायाम्	iii- समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेया: ।
iv- लुब्धस्य नश्यति यश:	iv- तदभागधेयम् परमं पशूनाम् ।

i- --|

ii- --|

iii- --|

iv- --|

प्रश्न न०-14- रेखाङ्कित पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणम् कुरुत - [1/2x4=2]

क- <u>गजधर</u>: सुन्दरशब्द: अस्ति । [क: / का]

ख- प्रेमली <u>प्रेमलस्य</u> पत्नी आसीत् ।[के / कस्य]

ग- <u>तेषाम्</u> स्वामिन: असमर्था: सन्ति । [केषाम् / कस्य]

घ- <u>लुब्धस्य</u> यश: नश्यति । [कस्या: / कस्य]

प्रश्न न०-15- विलोमपदानि यथायोग्यम् योजयत - [4]

(क)	(ख)	
i- गमनम्	i- पृष्ठत:	i- --------------------x----------------
ii- स्वीकार:	ii- साहस:	ii- --------------------x----------------
iii- पुरत:	iii- आगमनम्	iii- --------------------x--------------
iv- भीति:	iv- अस्वीकार:	iv- --------------------x-------------

प्रश्न न०-16- उचितकथनानां समक्षं ‘ आम् ’ अनुचितकथनानां समक्षम् ‘ न ’ इति लिखत- [4]

यथा- गमनम् सुकरम् भवति ।	न
क- सदैव अग्रे एव चलनीयम् ।	--------------------------
ख- स्वकीयम् बलम् बाधकम् भवति ।	--------------------------
ग- पुरत: चरणम् निधेहि ।	--------------------------
घ- पथि हिंस्रा: पशव: न सन्ति ।	--------------------------

प्रश्न न०-17- मञ्जूषात: क्रिया पदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-[5]

[निधेहि , विधेहि , चल , भज , देहि]

क- त्वम् विद्यालयम् ---------------------------------------।

ख- राष्ट्रे अनुरक्तिम् ---।

ग- महयम् जलम् ---।

घ- --- गोविन्दम् ।

ङ.- त्वम् पुरत: चरणम् ------------------------------------।

प्रश्न न०-18- समानार्थकानि पदानि मेलयत- [4]

	(क)	(ख)	
i-	करेण	कथयति	i- -------------------- - -------------
ii-	वदति	तनु:	ii- ------------------- - -----------------
iii-	कुसुमम्	हस्तेन्	iii- ------------------- - -------------------
iv-	शरीरम्	पुष्पम्	iv- ------------------- - ------------------

प्रश्न न०-19- अधोलिखितवाक्यानि घटनाक्रमानुसारम् लिखत- [1/2x8=4]

क- स: हण्डीमवातारयत् ।	क- ---------------------------------
ख- स: चुल्लीमज्वालयत् ।	ख- ---------------------------------
ग- स: हण्डीम् स्नानगृहे अस्थापयत् ।	ग- ---------------------------------
घ- स: घटे जलमभरत् ।	घ- ---------------------------------
ङ- प्रेमल: गृहमागच्छत् ।	ङ - ---------------------------------
च- स: जलमुष्णमकरोत् ।	च- ----------------------------------
छ- स: भोजनमकरोत् ।	छ- ----------------------------------
ज- स: स्नानमकरोत् ।	ज- ----------------------------------

==